Daily Gospel Reflections in Hindi

18 July 2019

मारकूस 10:46-52

JESUS HEALS BARTIMAEUS

''ईसा, दाऊद के पुत्र, मुझ पर दया कीजिए''। दाऊद के पुत्र का मतलब क्या है और प्रभु येसु दाऊद के पुत्र कैसे बना? ''जब तुम्हारे दिन पूरे हो जायेंगे, और तुम अपने पूर्वजों के साथ विश्राम करोगे, तो मैं तुम्हारे पुत्र को तुम्हारा उत्तराधिकारी बनाऊँगा और उसका राज्य बनाये रखूंगा।... मैं उसका सिंहासन सदा के लिए सुदृढ़ बना दूंगा'' (2 Sam 10:12,13)। यह ईश्वर की ओर से राजा दाऊद को एक वादा रहा। तब से सारे यहूदी उस महान पुत्र की प्रतीक्षा में है, और आज भी। यह पुत्र राजा सुलेमान या दाऊद के अन्य अठारह पुत्र नहीं है; वह पुत्र है, मुक्तिदाता मसीह। बल्कि वह पुत्र दाऊद से भी महान है। स्वयं राजा दाऊद उस पुत्र को प्रभु कहकर पुकारते है (Ps 110:1) । "I am the root and the offspring of David, the radiant mornig star" (Rev. 22:16). इसका मतलब है प्रभु येसु राजा दाऊद के मूल कारण (सृजनहार) भी है, और उनकी संतान भी है। सारे यहूदी हजारों साल से उस मसीह की प्रतीक्षा में थे और जब वे आये, यहूदियों ने उसे नहीं पहचाना, नहीं अपनाया (Jn. 1:11)।

संत मत्ती के अनुसार प्रभु की वंशावली (Mt. 1:1-16) और संत लूकस के अनुसार वंशावली में (Lk 3:23-38) राजा दाऊद को प्रभु येसु के पितामह के रूप में दिया गया है। नन्हें बालक येसु से भेंट करने आये ज्योतिषियों (Mt. 2:1,2) से लेकर आम यहूदी जनता (Mt 9:27, Mk 10:48) और गैर यहूदी (Mt 15:22) भी प्रभु येसु को दाऊद के पुत्र, याने मसीह के रूप में पहचानते है।

ऐसा नहीं कि उस समय के फरीसी और अन्य नेतागण यह नहीं समझते थे। ''जब महायाजकों और शास्त्रियों ने उनके चमत्कार देखे और बालको को मंदिर में यह नारा लगाते सुना– दाऊद के पुत्र को होसन्ना, तो वे क्रुद्ध हो गये'' (Mt. 21:15)। वे क्रुद्ध हो गये क्योंकि वे समझते थे कि मसीह उन में से कोई बनें; वे समझते थे कि मसीह के आगमन की आधिकारिक पुष्टि वे करें, न कि आम जनता; वे समझते थे कि प्रभु येसु कोई आम, गवार गलीली हो। ''मूर्ख और नासमझ लोगों, जो आंखें रहते भी नहीं देखते'' (Jer. 5:21)।

लेकिन सड़क किनारे बैठे बारथिमेउस ने उन्हें पहचाना और उसे दृष्टिदान का अनुग्रह प्राप्त हुआ। हमारी भी चुनौती यही है– प्रभु को मुक्तिदाता मसीह के रूप में पहचानना। अगर पहचानेंगे, तो इस दुनिया के कोलाहल के बीच में भी प्रभु हमारी पुकार सुनेंगे।

Rev. Fr. Rojan Chirayath

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019